आईआईएम के कोर्स में किए गए कई बदलाव

रांची। आईआईएम रांची में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कोर्स में कई बदलाव किए गए हैं। इसके तहत भारत में जनजातियां, जनजातीय भाषा, साइंस ऑफ हैप्पीनेस को कोर्स में जोड़ा गया है। आईआईएम प्रबंधन ने बताया कि पोस्ट ग्रुजुएट कोर्स के दूसरे वर्ष के सभी टर्म में छात्र अनिवार्य कोर्स की जगह पर इलेक्टिव कोर्स का चयन कर सकेंगे।

बदलाव के तहत इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट कोर्स में सिनेमैटोग्राफी, जलप्रबंधन, खेल प्रबंधन, स्टोरी टेलिंग, ह्यूमन कनेक्ट, नाटक और रंगमंच, कला व चित्रकला को शामिल किया गया। अंडरग्रेजुएट पार्ट के अनिवार्य कोर्स में साइंस ऑफ हैप्पीनेस, सस्टेनिबीलिटी, सोशल वर्क व ट्राइब्स इन इंडिया को जोड़ा गया है। छात्र दूसरे वर्ष में निर्धारित लैंग्वेज इलेक्टिव कोर्स में जनजातीय भाषा भी पढ़ सकेंगे।

एमबीए-बिजनेस एनालिटिक्स में एथिकल इश्यूज इन एआई और एग्जीक्यूटिव एमबीए में एथिक्स, गवर्नेंस एंड सस्टनेबिलिटी पर कोर्स जोड़ा गया है। वहीं, कोर्स में लिबरल आर्ट्स एंड साइंसेज जोड़ा गया है।

Hindustan, 16.06.2023, Pg.6